20 राजस्थान की वेशभूषा व पहनावा

1. ताराभांत की ओढ़नी राजस्थान में किन स्त्रियों की लोकप्रिय वेशभूषा है?
(1) जाट महिलाओं (2) गुर्जर महिलाओं
(3) आदिवासी महिलाओं (4) राजपूत महिलाओं (3)

व्याख्या– इसकी जमीन भूरी व लाल होती है। इसके किनारों का छोर काला व तारों जैसा षटकोणिय आकृति में होता है।

2. डुँगरशाही ओढ़नी कहाँ की प्रसिद्ध हैं?
(1) डुँगरपुर (2) जोधपुर
(3) मेवाड़ (4) बीकानेर (2)

3. कंजर जाति की महिलाओं द्वारा कमर तक पहना जाने वाला चुस्त पायजामा क्या कहलाता है?
(1) कापड़ी (2) झूलकी
(3) खूसनी (4) मांझौ (3)

4. राजशाही पगड़ी कहाँ की प्रसिद्ध हैं?
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) कोटा (4) जयपुर (4)

व्याख्या– राजशाही– केवल एक रंग से तैयार साफा, जिसमें सफेद बूंदे होती है। सम्भवत: राजा द्वारा इस्तेमाल किये जाने के कारण इसे राजशाही कहा गया है।

5. ऊन का बना वस्त्र, जो वर्षा से बचाव हेतु ओढ़ा जाता है–
(1) घुघी (2) पछेवड़ा
(3) बागौ (4) आतमसुख (1)

6. पुरुषों के सर की घेर वाली पाग कहलाती है?
(1) ताखी (2) बरड़ी
(3) लांगदार (4) बागौ (4)

7. कपड़े के दो टुकडों को बीच में से जोड़कर बनाई गई चोली, जो पीठ पर तनियों से बांधी जाती है?
(1) चांदणी (2) बरड़ी
(3) कापड़ी (4) पटणी (3)

8. 'चीड़ का पोमचा' विधवा स्त्री द्वारा पहने जाने वाली काले रंग की ओढ़नी है, यह राजस्थान के किस क्षेत्र में पहना जाता है?
(1) शेखावाटी (2) हाड़ौती
(3) मेवाड़ (4) मारवाड़ (2)

9. लंगोटिया भीलों में पुरुषों द्वारा कमर पर बाँधी जाने वाली लंगोटी क्या कहलाती है?
(1) ढ़ेपाड़ा (2) फालू
(3) पोत्या (4) खोयतु (4)

10. भील जनजाति में शादी के समय दुल्हन द्वारा पहना जाने वाला पीले रंग का लंहगा क्या कहलाता है?
(1) सिन्दूरी (2) सलूका
(3) पिरिया (4) परिजनी (3)

11. सहरिया पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली अंगरखी (कमीज के रूप प्रयुक्त) क्या कहलाती है?
(1) पंछा (2) सलूका
(3) खपटा (4) रेजा (2)

12. खिड़किया पाग राजस्थान की किस रियासत में प्रचलित रही है?
(1) प्रतापगढ़ (2) जोधपुर
(3) मेवाड़ (4) भरतपुर (2)

व्याख्या– मारवाड़ की लोकप्रिय पगड़ियाँ खिड़किया पाग, तखतशाही पाग, जसवंतशाही पाग, जालिमशाही पाग, जोधपुरी साफा व विजयशाही पाग आदि।

13. दुतई, गदर, कानो एवं मिरजाई किससे सम्बन्धित है?
(1) मेवाड़ की पगड़ी (2) अंगरखी
(3) टोपी के प्रकार (4) साड़ियों के नाम (2)

14. युद्ध में जाते समय योद्धाओं द्वारा किस रंग की विशेष पगड़ी पहनी जाती थी?
(1) केसरिया रंग की (2) सफेद रंग की
(3) मोठड़े की पगड़ी (4) लहरिया पगड़ी (1)

व्याख्या– केसरिया त्याग का प्रतीक हैं इसलिए राजपूत योद्धाओं द्वारा युद्ध में जाते समय पहनी जाती थी तथा राजस्थान में अक्षय तृतीया पर भी केसरिया पगड़ी पहनी जाती है।

15. मदील क्या है?
(1) पगड़ी (2) ओढ़नी
(3) साड़ी (4) ओढ़ने का वस्त्र (1)

व्याख्या– मदील एक पगड़ी है जो दशहरे पर पहनी जाती है।

16. मारवाड़ में 'दामणी' क्या था ?
(1) ओढ़नी का एक प्रकार
(2) सिंचाई करने का औजार
(3) एक राजस्व कर
(4) कलात्मक जूतियाँ (1)

व्याख्या– दामणी मारवाड़ क्षेत्र में प्रचलित लाल रंग की एक ओढ़नी है, जिस पर धागे से कशीदाकारी की होती है।

17. राजपूत समाज में शिकार पर जाते समय पहनी जाने वाली पगड़ी है?
(1) कसूम्बी पगड़ी (2) मोठड़े की पगड़ी
(3) खाकी पगड़ी (4) कसूमल पगड़ी (3)

18. राजस्थान में पगड़ी का वास्तविक संरक्षक माना जाता है?
(1) शेरशाह (2) हुमायूँ
(3) अकबर (4) जहाँगीर (3)

19. निम्न में से असंगत कथन को छांटिएँ–
(1) परतदार पगड़ी–हाड़ौती की रंगबिरंगी आकर्षक पगड़ी
(2) उदयपुर की पगड़ी का आकार चपट्टा होता है।
(3) मारवाड़ में छज्जादार व खिड़कीदार पगड़ी प्रसिद्ध है।
(4) जयपुर की खूँटेदार पगड़ी प्रसिद्ध है। (1)

व्याख्या– परतदार पगड़ी– मेवाड़ की रंग बिरंगी आकर्षक पगड़ी

20. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) मोठड़े की पगड़ी विवाह के अवसर पर पहनी जाती है।
(2) लहरिया पगड़ी श्रावण में तीज के अवसर पर पहनी जाती है।
(3) मदील पगड़ी रक्षाबन्धन पर पहनी जाती है।
(4) कसुमल पगड़ी वर्षा ऋतु में पहनी जाती है। (3)

व्याख्या– मदील पगड़ी दशहरे पर पहनी जाती है।

Dhindhwal Publication

21. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कर सही कूट का चयन कीजिए–

साफा/पगड़ी	समाज
(1) सफेद साफा	I. सुनार
(2) आँटे वाली पगड़ी	II. बन्जारे
(3) मोटी पट्टेदार पगड़ी	III. विश्नोई समाज

कूट :

	1	2	3
(1)	I	II	III
(2)	III	I	II
(3)	III	IV	II
(4)	II	I	IV

(2)

22. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कर सही कूट का चयन कीजिए–

सूची–I	सूची–II
(1) बंसती रंग की पगड़ी	I. राईका समाज
(2) लाल टूल का साफा	II. मांगणियार
(3) रंगीन छापल डब्बीदार साफा	III. मांगलिक अवसर पर

कूट :

	1	2	3
(1)	I	II	III
(2)	III	I	II
(3)	III	II	I
(4)	II	I	III

(2)

23. 'आंगी' नामक वस्त्र पहना जाता है?
(1) पुरुषों द्वारा (2) ओढ़ने का वस्त्र
(3) स्त्रियों द्वारा (4) बच्चों द्वारा (3)

व्याख्या– बिना बाँह वाली चोली 'आंगी' कहलाती है।

24. लुगड़ी, दामणी, कटकी प्रकार है?
(1) ओढ़नी के (2) कुर्ते के
(3) पगड़ी के (4) साफे के (1)

25. फूल की साड़ियाँ कहाँ की प्रसिद्ध है?
(1) जोबनेर (जयपुर) (2) दिगोद (कोटा)
(3) सवाई माधोपुर (4) नाथद्वारा (राजसमंद) (1)

26. स्प्रे पेंटिग की साड़ियाँ कहाँ की प्रसिद्ध है?
(1) नाथद्वारा (राजसमंद) (2) सवाई माधोपुर
(3) दिगोद (कोटा) (4) जोबनेर (जयपुर) (1)

27. भीमशाही है?
(1) एक पगड़ी (2) एक युद्ध शैली
(3) एक ओढ़नी (4) कुर्ते का प्रकार (1)

व्याख्या– भीमशाही पगड़ी मेवाड़ में प्रचलित है। ये महाराणा भीमसिंह द्वितीय के समय प्रचलित हुई।

28. 'शाही साफा' कहाँ का प्रसिद्ध है?
(1) जयपुर (2) उदयपुर
(3) कोटा (4) जोधपुर (1)

29. तनसुख, गाबा, डागला, मिरजई किसके प्रकार है?
(1) अंगरखी के (2) साफे के
(3) टोपी के (4) पगड़ी के (1)

30. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) मांडपशाही पगड़ी–कानोड़ (उदयपुर)
(2) राठौड़ी पगड़ी– जैसलमेर
(3) मानशाही पगड़ी– भैंसरोड़गढ़
(4) जसवंतशाही पगड़ी–देवगढ़ (राजसमंद) (2)

व्याख्या– राठौड़ी पगड़ी बदनौर (भीलवाड़ा) में प्रचलित है।

31. किस वस्त्र को सजाने में तुर्रे, कलंगी, घुगघुगी, रतनपेच का प्रयोग किया जाता है?
(1) ओढ़नी (2) घाघरा
(3) पगड़ी (4) अंगरखी (3)

व्याख्या– राजस्थान में पगड़ी को सजाने के लिए तुर्रे, सरपेच, कलंगी, घुगघुगी, रतनपेच, बालाबन्दी, गोसपेच, पछेवड़ी, लटकन, ऊपरणी, व फतेपेच का प्रयोग किया जाता है।

32. निम्न में से कौनसा वस्त्र पुरुषों द्वारा नहीं पहना जाता है?
(1) अंगरखी (2) अंगरूठी
(3) आतम सुख (4) अचकन (2)

व्याख्या– अंगरूठी भील स्त्रियों का पहनावा है।

33. कसुम्बी पगड़ी पहनी जाती है?
(1) सर्दियों में (2) मांगलिक अवसर पर
(3) गर्मियों में (4) होली पर (1)

34. निम्न में से कौनसा वस्त्र पुरुषों द्वारा नहीं पहना जाता है?
(1) लूंगी (2) कछाबू
(3) शेरवानी (4) अचकन (2)

व्याख्या– कछाबू लंगोटिया भील महिलाओं द्वारा घूटने तक पहने जाने वाला घाघरा है।

35. खाकी रंग का वस्त्र, जिसका प्रयोग शिकारी करते थे?
(1) रेजा (2) सलूका
(3) पंछा (4) अमोवा (4)

36. पश्चिमी राजस्थान में महिलाओं द्वारा ओढ़ने का ऊनी वस्त्र है?
(1) पट्टु (2) रेजा
(3) पंछा (4) फड़का (1)

37. सर्दियों में सिर व कान ढ़कने का मफलर कहलाता है?
(1) रेजा (2) एरंडी
(3) गुलीबंद (4) चिरणोटियो (3)

38. लहरिये की धारियाँ जब एक–दूसरे को काटती हुई बनाई जाती है, तो वह कला कहलाती है?
(1) मोठड़ा (2) बुर्का
(3) लूगड़ा (4) रेनसाइ (1)

39. भील पुरुषों द्वारा पहने जाने वाली तंगधोती कहलाती है?
(1) ढ़ेपाड़ा (2) अंगरखा
(3) खोयतु (4) सलूका (1)

40. नांदड़ा या नांदणा कहाँ का प्रसिद्ध है?
(1) शाहपुरा (भीलवाड़ा) (2) दिगोद (कोटा)
(3) नाथद्वारा (राजसमंद) (4) जोबनेर (जयपुर) (1)

Dhindhwal Publication Lead, Read and Achieve